वैगन रिपेयर शॉप

राजभाषा संदेश

मार्च-2022

मार्गदर्शक	संपादक	उप संपादक
श्री सुबोध चौधरी	श्री दयानंद साहू	श्री राघवेन्द्र सिंह
मुख्य कर्मशाला प्रबंधक	उप मु.यां..इंजी.. (प्रशा)	सहा..कर्मशाला कार्मिक अधिकारी

हिंदी साहित्यकार

भवानीप्रसाद मिश्र

भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म 29 मार्च 1913 को गाँव टिगरिया, तहसील सिवनी मालवा, जिला होशंगाबाद (मध्य प्रदेश) में हुआ. इनके पिता पं. सीताराम मिश्र शिक्षा विभाग में अधिकारी थे तथा साहित्य प्रेमी भी थे. भवानी प्रसाद की प्रारंभिक शिक्षा क्रमश: सोहागपुर, होशंगाबाद, नरसिंहपुर और जबलपुर में सम्पन्न हुई. इन्होने बी.ए. की डिग्री 1935 में जबलपुर से प्राप्त की. हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषा पर उनकी अच्छी पकड़ थी. भवानी प्रसाद मिश्र 1946 से 1950 तक महिलाश्रम, वर्धा में शिक्षक रहे. फिर उन्होंने 1952 से 1955 तक हैदराबाद में 'कल्पना' मासिक पत्रिका का सम्पादन किया. इसके बाद 1956 से 1958 तक उन्होंने आकाशवाणी में संचालन का कार्य किया. 1958 से 1972 तक मिश्रजी 'गांधी प्रतिष्ठान', 'गांधी स्मारक निधि' और 'सर्व सेवा संघ' से जुड़े रहे. इनकी मृत्यु 20 फरवरी 1985 को हुई.

भवानी प्रसाद मिश्र का साहित्यिक जीवन

भवानी प्रसाद मिश्र ने 1930 से कविताएं लिखने की शुरुआत की. हाईस्कूल पास करने के पहले उनकी कविताएं 'हिन्दू पंच' नामक पत्रिका में प्रकाशित हो चुकी थी. 1932 में वे माखनलाल चतुर्वेदी के सम्पर्क में आए और चतुर्वेदी जी आग्रहपूर्वक अपनी पत्रिका 'कर्मवीर' में मिश्र जी की कविताएं प्रकाशित करने लगे. इसके बाद उन्होंने सिनेमा के लिए संवाद भी लिखे तथा उन्होंने मद्रास के एबीएम में संवाद निर्देशन का कार्य किया. कुछ समय पश्चात वे मुंबई आ गए यहां उन्होंने आकाशवाणी निर्माता के रूप में कार्य किया तथा इसके बाद दिल्ली आकाशवाणी केन्द्र में भी काम किया.

भवानी प्रसाद मिश्र की रचनाएं

गीत फरोश,बुनी हुई रस्सी,नीली रेखा तक,मानसरोवर,अनाम तुम आते है,त्रिकाल संध्या,चकितहै दुःख कालजयी,खुशबु के शिलालेख,शरीर, कविता, फसलें और फूल,परिवर्तन जिए,अन्धेरी कविताएँ,
नीली रेखाएं तक.

उपलब्धियां

इस माह के दौरान 1086 पीओएच एवं 7 रिहैब और पीओएच, कुल मिलाकर 402 वैगनों का आऊटटर्न प्राप्त किया गया। COVID-19 के निवारक उपायों हेतु SECR द्वारा दिये SDOP को पालन कर उक्त आऊटटर्न को प्राप्त किया गया।

Last Year 2020-21		Current Year 2021-22	
March' 21	Upto March' 21	March' 22	Upto March' 22
413	4706	394	4629

BOXN व्हील सेटों का पीओएच

Wheel Sets	Last Year 2020-21		Current Year 2021-22	
	March' 21	Upto March' 21	March' 22	Upto March' 22
BOXN	219	23959	1937	22891

बीवीजेडआई / बीवीसीएम / बीवीजेडसी

Wagon	Last Year 2020-21		Current Year 2021-22	
	March' 21	Upto March' 21	March' 22	Upto March' 22
BVZI/BVZC/ BVCM	24	193	9	142

बॉक्सएनएचएल वैगनों का पी ओ एच

Wagon	Last Year 2020-21		Current Year 2021-22	
	March' 21	Upto March' 21	March' 22	Upto March' 22
BOXNHL	73	1321	149	1579

वैगन होल्डिंग

Last Year 2020-21		Current Year 2021-22	
March' 21	Upto March' 21	March' 22	Upto March' 22
230	418	151	313

साइकल टाइम

Last Year 2020-21		Current Year 2021-22	
March' 21	Upto March' 21	March' 22	Upto March' 22
7.15	12.15	8.89	8.80

स्क्रैप का निस्तारण

Description of Scrap	Last Year 2020-21		Current Year 2021-22	
	March' 21	Upto March' 21	March' 22	Upto March' 22
Ferrous (in MT)	5049.83	12081.4	811.515	9818845
Non-ferrous (in MT)	2.15	4.242	0.772	6.442
STB (in MT)	80	310	0	230
Wagon (in nos.)	62.	396	46	315

हैंड ब्रेक गियर एसम्ब्ली

आर.डी.एस.ओ. के पत्र संख्या MW/BCNHS dt. 23/06/2011 के अनुसार इस कारख़ाना में इस माह के दौरान 269 वैगनों में हैंड ब्रेक गिअर असेंबली को माडीफाई किया गया।

वैगनों का लोकल पासिंग

इस तिमाही ट्वीन एयर ब्रेक न फिट किए जाने के कारण 10 वैगनों का लोकल पास किया गया।

सी टी आर बी का पी.ओ.एच

इस तिमाही के दौरान ओवरहालिंग हेतु लिए गए 15484 नग सीटीआरबी मे से 11370 नग सेवायोग्य पाये गए।

मंडल को व्हील सेट की सुपुर्दगी

इस माह के दौरान 38 जोड़ी डीजल लोको , 14 जोड़ी ICF, 28 जोड़ी इलेक्ट्रीक लोको, 6 जोड़ी डीजल लोको फॉर राइट्स, 6 जोड़ी RITES, 18 जोड़ी NTPC 1364 जोड़ी BOXN व्हील सेट विभिन्न डिविजन मे सहायता के तौर पर दिया गया।

Elec. Loco	Diesel loco	I.C.F.	BOXN	N.T.P.C	Others	Total
212	269	110	13738	138	67	14265

आर एस पी कार्य

S.N.	Description of Work	March 2022	Cumulative
1.	Retro-fitment of twin pipe brake system in wagon (Qty.4000 wagons)	196	1619

सुपरवाइज़र एवं स्टाफ के प्रशिक्षण

I. 1 9कर्मशाला कर्मचारियों ने डी॰टी॰टी॰सी /एम॰आई॰बी/एन॰जी॰पी द्वारा फिटर रिफ्रेशर कोर्स पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

II. 111 कर्मशाला कर्मचारियों ने बी॰टी॰सी/ डब्लू॰आर॰एस द्वारा वेल्डिंग प्रशिक्षण)ISO:9606 के अनुसार(प्रशिक्षण प्राप्त किया।

III. 3 कार्यशाला पर्यवेक्षकों को आई.आर.आई.एम.ई.ई/जमालपुर द्वारा IR फ़्रेट स्टाक मिश्रित पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण प्राप्त हुआ किया।

IV. 48 कर्मशाला कर्मचारियों ने बी॰टी॰सी/ डब्लू॰आर॰एस द्वारा वेल्डिंग प्रशिक्षण)ISO:9606 के अनुसार(प्रशिक्षण प्राप्त किया।

V. 02 कर्मशाला कर्मचारियों ने टी॰टी॰सी॰/कपूरथला द्वारा स्किल डेव्लपमेंट प्रोग्राम मशीनिस्ट कोर्स पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

VI. 4 कर्मशाला पर्यवेक्षकों को एस॰टी॰सी॰/खड़गपुर द्वारा पर्यवेक्षक रिफ्रेशर कोर्स पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

VII. उत्पादन मे गुणवत्ता व कार्यक्षेत्र को सुरक्षित रखने हेतु कर्मचारियो को 5S तकनीक की जानकारी दी गयी एवं 5S तकनीक को दैनिक कार्य मे उपयोग लाने हेतु कहा गया।

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत मिशन के तहत मार्च-22 तिमाही के दौरान कर्मशाला में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

- विश्वास वह पक्षी है, जो प्रभात के पूर्व अंधकार में ही प्रकाश का अनुभव करता है और गाने लगता है।
- मनुष्य का जीवन एक महानदी की भाँति है, जो अपने बहाव द्वारा नवीन दिशाओं में राह बना लेती है।
- प्रत्येक बालक यह संदेश लेकर आता है, कि ईश्वर अभी मनुष्यों से निराश नहीं हुआ है।

- रबीन्द्रनाथ ठाकुर

गणतंत्र दिवस समारोह

दिनांक 26 जनवरी 2022 को वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर के प्रांगन में 73वाँ गणतन्त्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुबोध चौधरी, मुख्य कर्मशाला प्रबंधक, वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर ने अपने संबोधन में वैगन रिपेयर शॉप की प्रगति एवं उपलब्धियों से अवगत कराया. इस अवसर पर आर.पी एफ के जवान, स्काउट एवं गाइड के बच्चे तथा अन्य कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुति दी.

अधिकारियों का निरीक्षण

श्री अमिताब चौधरी, मुख्य कारखाना इंजीनियर, बिलासपुर ने वैरिशा के समस्त अधिकारियों के साथ नए प्रोजेक्ट के विषय पर गहन निरीक्षण किया.

श्री वीरेंद्र मुन्दईया, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, दपूमरे, बिलासपुर ने वैरिशा के समस्त अधिकारियों के साथ नए प्रोजेक्ट एवं कारखाना पर गहन निरीक्षण किया.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दिनांक 08-03-2022 को “अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस” के अवसर पर वैगन रिपेयर शॉप की महिला कर्मचारियों के लिए कार्मिक अनुभाग की ओर से एक कार्यक्रम आयोजित की गई. इस कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री सुबोध चौधरी, मुख्य कर्मशाला प्रबंधक, वैगन रिपेयर शॉप रायपुर एवं मुख्य अतिथि सुश्री रत्ना सिंह, सी एस पी रायपुर के आतिथ्य में आयोजित की गई. इस कार्यक्रम में शॉप के 80 महिला कर्मचारियों ने भाग लिया. सुश्री रत्ना सिंह ने सभी महिला कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी महिला कर्मचारी काफी हिम्मत वाली और मेहनती है जो कि इन पुरुषों के साथ कंधे से कन्धा मिला कर काम कर रहीं है. उन्होंने महिला कर्मचारियों को स्वयं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया.

प्रशासनिक शब्दावली

संक्षिप्त टिप्पणियां

Absent without leave	बिना छुट्टी लिए अनुपस्थित
Absent without permission	बिना अनुमति के अनुपस्थित
Absolved of the responsibility	जिम्मेदारी से मुक्ति
Acceptance is awaited	स्वीकृति की प्रतीक्षा है
Acceptance of tender	निविदा की स्वीकृति
Accepted and passed for payment	स्वीकृत और अदायगी के लिए पास किया जाता है
Accepted on trial basis	परीक्षण के आधार पर स्वीकृत
Accepted provisionally	अनंतिम रूप से स्वीकृत
Accompanied by	साथ में
Accord approval/sanction to	कृपया अनुमोदन/मंजूरी प्रदान करें

"क" क्षेत्र

1. उत्तरप्रदेश	2. बिहार	3. राजस्थान	4. मध्यप्रदेश
5. हरियाणा	6. हिमाचल प्रदेश	7. उत्तराखंड	8. झारखंड
9. छत्तीसगढ़	10. अंडमान निकोबार	11. दिल्ली संघ राज्य	

"ख" क्षेत्र

1. पंजाब	2. महाराष्ट्र	3. गुजरात	4. चंडीगढ़ संघ क्षेत्र

"ग" क्षेत्र

1. आंध्रप्रदेश	2. असम	3. जम्मू – कश्मीर	4. कर्णाटक
5. केरल	6. उड़ीसा	7. सिक्किम	8. तमिलनाडु
9. त्रिपुरा	10. मणिपुर	11. मेघालय	12. नागालैंड
13. पश्चिम बंगाल	14. अरुणाचल प्रदेश	15.गोवा	16. दमन दीव
17. मिजोरम	18. लक्ष्यद्वीप	19. पांडिचेरी	20. दादर एवं नगर हवेली संघ राज्य

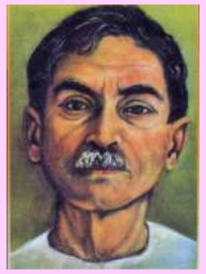

मुंशी प्रेमचंद

- कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।
- दुखियारों को हमदर्दी के आँसू भी कम प्यारे नहीं होते।
- अनुराग, यौवन, रूप या धन से उत्पन्न नहीं होता। अनुराग, अनुराग से उत्पन्न होता है।
- अधिकार में स्वयं एक आनंद है, जो उपयोगिता की परवाह नहीं करता।
- अनाथ बच्चों का हृदय उस चित्र की भांति होता है जिस पर एक बहुत ही साधारण परदा पड़ा हुआ हो। पवन का साधारण झकोरा भी उसे हटा देता है।
- आलस्य वह राजरोग है जिसका रोगी कभी संभल नहीं पाता।

अक्कड़ मक्कड़, धूल में धक्कड़

अक्कड़ मक्कड़, धूल में धक्कड़,
दोनों मूरख, दोनों अक्खड़,
हाट से लौटे, ठाट से लौटे,
एक साथ एक बाट से लौटे।

बात बात में बात ठन गई,
बांह उठी और मूछ तन गई,
इसने उसकी गर्दन भींची
उसने इसकी दाढ़ी खींची।

अब वह जीता, अब यह जीता
दोनों का बन चला फजीता;
लोग तमाशाई जो ठहरे —
सबके खिले हुए थे चेहरे!

मगर एक कोई था फक्कड़,
मन का राजम कर्रा-कक्कड़;
बढ़ा भीड़ को चीर-चार कर
बोला 'ठहरो' गला फाड़ कर।

अक्कड़ मक्कड़ धुल में धक्कड़
दोनों मूरख दोनों अक्कड़,
गर्जन गूंजी, रुकना पड़ा,
सही बात पर झुकना पड़ा!

उसने कहा, सही वाणी में
डूबो चुल्लू-भर पानी में;
ताकत लड़ने में मत खोओ
चलो भाई-चारे को बोओ!

खाली सब मैदान पड़ा है
आफत का शैतान खड़ा है
ताकत ऐसे ही मत खोओ;
चलो भाई-चारे को बोओ!

सूनी मूर्खों ने जब बानी,
दोनों जैसे पानी-पानी;
लड़ना छोड़ा अलग हट गए,
लोग शर्म से गले, छंट गए।

सबको नाहक लड़ना अखरा,
ताकत भूल गई सब नखरा;
गले मिले तब अक्कड़ मक्कड़
ख़त्म हो गया धूल में धक्कड़!

-भवानीप्रसाद मिश्र